हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–255 : जौनपुर, शुक्रवार 16 जून 2023 सान्ध्य दैनिक ( संस्करण ) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

## सिरसा से भाजपा के मिशन 2024 का शंखनाद करेंगे अमित शाह, इससे पहले आप-किसान नेता व सरपंचों को प्रशासन ने क्यों थमाया नोटिस?

**एजेंसी**

नई दिल्ली। शाह का दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब किसान कई मुद्दों पर सरकार के खिलाफ उठ खड़े हैं और इस सप्ताह के शुरू में सरकार को एक आंदोलन के बाद सूरजमुखी के बीजों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की अपनी मांग को मानने के लिए मजबूर होना पड़ा।18 जून को एक वीवीआईपी कार्यक्रम का हवाला देते हुए हरियाणा के सिरसा में जिला पुलिस ने 130 लोगों को नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें बांड भरने के लिए कहा गया है कि वे शांति बनाए रखेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह उस दिन सिरसा में एक रैली कर रहे हैं, जहां उनके 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान

की शुरुआत करने की भी उम्मीद है। जिन लोगों को नोटिस दिया गया है उनमें सरपंच, किसान संघ के कार्यकर्ता और आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के स्थानीय नेता शामिल हैं।शाह का दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब किसान कई मुद्दों पर सरकार के खिलाफ उठ खड़े हैं और इस सप्ताह के शुरू में सरकार को एक आंदोलन के बाद सूरजमुखी के बीजों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की अपनी मांग को मानने के लिए मजबूर होना पड़ा। हरियाणा सरपंच एसोसिएशन के प्रमुख रणबीर सिंह समैन ने भी 8 जून को घोषणा की थी कि उनकी यूनियन ई–टेंडरिंग प्रक्रिया को खत्म करने और पंचायती राज अधिनियम के सभी प्रावधानों को बहाल करने की मांग को लेकर शाह की रैली के दौरान विरोध प्रदर्शन करेगी।पिछले महीने, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के जनसंवाद कार्यक्रम में कई व्यवधान देखे गए। सिरसा के बानी गांव की सरपंच नैना झोरार ने अपना दुपट्टा खट्टर के चरणों में फेंक दिया, क्योंकि उन्हें खट्टर के सामने अपनी मांगों को रखने की अनुमति नहीं थी। एक अन्य अवसर पर, डोगडा अहीर के ग्रामीणों ने सिहमा गाँव को अपने गाँव के बजाय उप–तहसील का दर्जा देने के खिलाफ खट्टर के घर के बाहर धरना दिया।

### सुकांता मजूमदार ने अमित शाह को लिखा पत्र, सुरक्षा स्थिति में तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। पंचायत चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने जा रहे तृणमूल कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। नामांकन के आखिरी दिन दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर और बीरभूम जिले के सैठिया से भी हिंसा की घटनाएं हुईं।पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांता मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों की सुरक्षा स्थिति में तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। पंचायत चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने जा रहे तृणमूल कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। नामांकन के आखिरी दिन दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर और बीरभूम जिले के सैठिया से भी हिंसा की घटनाएं हुईं।विडंबना यह है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि बंगाल मेंपंचायत चुनाव नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण है।

## बेंगलुरु की अदालत ने सिद्धारमैया के खिलाफ मानहानि का मामला खारिज किया

**एजेंसी**

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता के बयान ने इस बात पर भी सवाल खड़ा कर दिया कि क्या उन्होंने इसे किसी एक व्यक्ति या पूरे लिंगायत समुदाय के खिलाफ बनाया था।कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ हाल ही में राज्य विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए एक बयान को लेकर दायर मानहानि के मुकदमे को बेंगलुरु की एक एमपीध्एमएलए अदालत ने खारिज कर दिया है। कांग्रेस नेता के बयान ने इस बात पर भी सवाल खड़ा कर दिया कि क्या उन्होंने इसे किसी एक व्यक्ति या पूरे लिंगायत समुदाय के खिलाफ बनाया था। लिंगायत समुदाय के दो सदस्यों द्वारा आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 200 के तहत एक निजी शिकायत के रूप में शिकायत दर्ज की गई थी। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस सत्ता में आने पर किसी लिंगायत मुख्यमंत्री को चुनेगी, सिद्धारमैया ने कथित तौर पर कहा था कि तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज

बोम्मई एक लिंगायत थे जो भ्रष्टाचार में लिप्त थे।शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया के बयान से यह कहा जाएगा कि राज्य के लिंगायत मुख्यमंत्री भ्रष्ट थे। उन्होंने दावा किया कि बयान का उद्देश्य लिंगायत समुदाय की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रीति जे ने की। वीडियो देखने के बाद, न्यायाधीश ने कहा कि यह बहुत स्पष्ट रूप से दिखाता है कि बयान पूरे लिंगायत समुदाय के संबंध में नहीं, बल्कि केवल मुख्यमंत्री के संबंध में दिया गया है। जो बयान की तिथि के अनुसार मुख्यमंत्री का पद संभाल रहे थे।

## केंद्रीय मंत्री शेखावत ने भ्रष्टाचार के आरोपों पर गहलोत को खुली बहस की चुनौती दी

जयपुर। शेखावत ने मीडिया से कहा कि मुख्यमंत्री 2019 के लोकसभा चुनाव में अपने बेटे वैभव गहलोत की हार के कारण उन पर

आरोप लगाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर लोकसभा सीट पर वैभव को हराया था। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संजीवनी क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसायटी घोटाला मामले में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खुली बहस करने की चुनौती दी है। गहलोत द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बृहस्पतिवार को पोकरण में मीडिया से कहा, आज चुनौती देकर यहां से कहता हूं, वो और उनके वकील हिंदुस्तान के किसी भी मंच पर खड़े हो जाएं और वहां खड़े होकर मेरे सामने इस पर बहस करें। वकीलों को लेकर बहस करें, मुझे किस तरह से दोषी ठहरा रहे हैं?उल्लेखनीय है कि गहलोत ने जोधपुर से सांसद शेखावत पर बार बार इस घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया है जिसमें बड़ी संख्या में निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगा। शेखावत ने उन्हें क्रेडिट सोसाइटी से जोड़ने के आरोपों को खारिज करते हुए गहलोत के खिलाफ दिल्ली की एक अदालत में मानहानि का मुकदमा भी दायर किया है। शेखावत ने मीडिया से कहा कि मुख्यमंत्री 2019 के लोकसभा चुनाव में अपने बेटे वैभव गहलोत की हार के कारण उन पर आरोप लगाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर लोकसभा सीट पर वैभव को हराया था। जोधपुर गहलोत का गृहनगर भी है।भाजपा नेता ने यह भी कहा कि वह भाजपा के राज्यसभा सदस्य्य किरोड़ी लाल मीणा द्वारा गहलोत और उनके बेटे के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को साबित करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया, वे करोड़ों रुपए के कालेधन को सफेद करने का काम करते हैं। गहलोत की ओर से इस आरोप पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। शेखावत ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को लेकर देश के हितों को सर्वोपरि मानते हुए, राष्ट्र हितों से समझौता किए हुए बिना, भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चलते हुए, जिस तरह से काम किया गया, उसका परिणाम है कि आज व्यवस्था पर लोगों का विश्वास पुनरू स्थापित हुआ है।

### आप कार्यकर्ता चक्रवात बिपारजॉय से प्रभावित लोगों की मदद करें : केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, चक्रवात से बहुत नुकसान हुआ है। मेरी सभी आप कार्यकर्ताओं से अपील है कि वे तन, मन, धन से राहत कार्यों में लग जायें और लोगों की खूब मदद करें। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं से चक्रवात बिपारजॉय से प्रभावित लोगों की मदद करने की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात बिपारजॉय गुजरात के कच्छ और सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों से गुजरा, जिससे तेज हवाओं और बारिश ने वहां भारी तबाही मचायी। एक अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम साढ़े छह बजे चक्रवात ने जखौ बंदरगाह के पास दस्तक दी, जिसके बाद पूरे कच्छ जिले में भारी बारिश हुई और यह तड़के ढाई बजे तक जारी रही।दिल्ली के मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, चक्रवात से बहुत नुकध्सान हुआ है। मेरी सभी आप कार्यकर्ताओं से अपील है कि वे तन, मन, धन से राहत कार्यों में लग जायें और लोगों की खूब मदद करें। उन्होंने मणिपुर के हालात पर भी चिंता जताई। केजरीवाल ने ट्वीट किया, मणिपुर की स्थिति पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। शांति बहाल करने के लिए बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है।

## जीतन राम मांझी महागठबंधन सहयोगियों की 'जासूसी' कर रहे थे : नीतीश कुमार

**एजेंसी**

पटना। नीतीश कुमार ने स्वीकार किया कि पूर्व मुख्यमंत्री मांझी 23 जून को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें (नीतीश को) डर था कि उनके (मांझी) द्वारा बैठक का विवरण भाजपा को लीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा, वह (मांझी) भाजपा नेताओं के लगातार संपर्क में थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) पार्टी के संस्थापक जीतन राम मांझी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाभ पहुंचाने के लिये महागठबंधन के सहयोगियों की जासूसी करने का आरोप लगाया और दावा किया कि महागठबंधन से उनका बाहर निकलना अच्छी बात है। नीतीश कुमार ने स्वीकार किया कि पूर्व मुख्यमंत्री मांझी 23 जून को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें (नीतीश को) डर था कि उनके (मांझी) द्वारा बैठक का विवरण भाजपा को लीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा, वह (मांझी) भाजपा नेताओं के लगातार संपर्क में थे। उन्होंने हाल ही में कई भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी। वह 23 जून को विपक्षी नेताओं की बैठक का हिस्सा बनना

चाहते थे, लेकिन मुझे आशंका थी कि वह उन मुद्दोंध्मामलों को लीक कर सकते हैं जिन पर 23 जून को चर्चा की जाएगी। सोनबरसा विधानसभा सीट से जनता दल (यूनाइटेड) के विधायक रत्नेश सदा के राज्य मंत्रिमंडल में शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, इसलिए, मैंने उनसे हम (सेक्यूलर) का जद (यूनाइटेड) में विलय करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वह ऐसा नहीं कर सकते, इस पर, मैंने उनसे महागठबंधन छोड़ने के लिए कहा।यह अच्छा है कि वह महागठबंधन छोड़कर चले गए। सोनबरसा विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रहे रत्नेश सदा मुसहर जाति से हैं, उन्हें राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई। जीतन राम मांझी के पुत्र संतोष मांझी ने हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देते हुए कहा था, नीतीश कुमार की जद (यू) द्वारा हम (सेक्यूलर) का उसके जद (यू) में विलय करने का प्रस्ताव देने के बाद मैंने पार्टी को बचाने के लिये मंत्री पद छोड़ दिया।कुमार ने कहा, हमारी पार्टी ने मांझी को बहुत कुछ दिया है। उनकी पार्टी को जद (यू) के कोटे से राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री पद दिया गया था। इन सबके बावजूद... वह भाजपा नेताओं के संपर्क में थे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव समय से पहले होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, इस बात की प्रबल संभावना है कि आम चुनाव अगले साल ना हों। ये पहले भी हो सकते हैं। इसलिए सभी विपक्षी दलों को आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए एक साथ आना चाहिए। हमें 23 जून की बैठक के बाद तैयारी शुरू करनी चाहिए।

## चिंगारी का खेल बुरा होता है, बीजेपी का आरोप- बंगाल में खत्म हो चुका लोकतंत्र, संगीत की जगह धमाके सुनाई दे रहे हैं

**एजेंसी**

नई दिल्ली। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों में जिस प्रकार के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, हिंसा का जो तांडव दिखाई पड़ रहा है... यह कष्टकारक है। उन्होंने कहा कि इस से भी अधिक दुखद है, वहां की सरकार की असंवेदनशीलता। हमारे कार्यकर्ताओं पर प्राणघातक हमले हुए हैं।पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक बवाल लगातार जारी है। विपक्षी दलों का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस और उसके समर्थक लगातार हिंसा कर रही है। विरोधी दलों को निशाना बना रही है। हालांकि, ममता बनर्जी की ओर से इसे खारिज कर दिया गया जबकि भाजपा ने आज साफ तौर पर कहा है कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। अब वहां संगीत के बदले धमाके सुनाई देते हैं। भाजपा की ओर से संवाददाता सम्मेलन करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता सुधांशु त्रिवेदी ने किया।सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों में जिस प्रकार के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, हिंसा का जो तांडव दिखाई पड़ रहा है... यह कष्टकारक है। उन्होंने कहा कि इस से भी अधिक दुखद है, वहां की सरकार की असंवेदनशीलता। हमारे कार्यकर्ताओं पर प्राणघातक हमले हुए हैं। भाजपा नेता ने कहा

कि पश्चिम बंगाल की सरकार और पुलिस जिस प्रकार से बर्ताव कर रही है वो भारत के लोकतांत्रिक और चुनावी इतिहास में एक बहुत ही काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि बंगाल में 341 ब्लॉक हैं। आखिरी दिन यहां, 4 घंटे के अंदर 40 हजार से अधिक लोगों ने नामांकन किया है, वो भी 340 ब्लॉक में... यानी एक व्यक्ति के नामांकन का समय औसतन 2 मिनट आता है। इस गति से हुए नामांकन दर्शाते हैं कि स्थानीय सरकार किस तरह से व्यवस्था को अपने हाथ में लिए हुए है। क्या यह लोकतंत्र का उपहास नहीं है? उन्होंने कहा कि रवींद्र संगीत की भूमि में अब बम धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। जिस तरह से राज्य सरकार और पुलिस काम कर रही है वह भारत में लोकतंत्र और चुनाव के इतिहास में एक काला अध्याय है।भाजपा के राज्यसभा सांसद ने कहा कि मैं ज्ड़ब को यह कहना चाहता हूं कि यह हिंसा का जो खेल आप खेल रहे हैं, ऐसा ही कम्युनिस्ट सरकार करती थी... आज आप उनका हाल देख लीजिए। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की लिखी पंक्तियां हैं कि – चिंगारी का खेल बुरा होता है, औरों के घर में आग लगाने का सपना... अपने घर में ही अक्सर खरा होता है। इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश खंडपीठ ने 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव के लिए राज्य के सभी जिलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लिए आदेश दिए थे।

## हमारी विभिन्न योजनाओं की वजह से आज पूरे देश में राजस्थान की चर्चा है : गहलोत

**एजेंसी**

जयपुर। गहलोत ने यहां मीडिया से बातचीत में अपनी सरकार के महंगाई राहत शिविरों का जिक्र किया। उन्होंने कहा,''इन शिविरों में सात करोड़ गारंटी कार्ड बंट चुके हैं, 1.60 करोड़ घर में हम लगभग पहुंच चुके हैं. इतना बड़ा अभियान चल रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के चलते आज पूरे देश में राजस्थान की चर्चा है। उन्होंने कहा कि लंपी रोग से दुधारू गायों की मौत पर 40–40 हजार रुपये का मुआवजा देने वाला राजस्थान पहला राज्य बन गया है। गहलोत ने यहां मीडिया से बातचीत में अपनी सरकार के महंगाई राहत शिविरों का जिक्र किया। उन्होंने कहा,''इन शिविरों में सात करोड़ गारंटी कार्ड बंट चुके हैं, 1.60 करोड़ घर में हम लगभग पहुंच चुके हैं. इतना बड़ा अभियान चल रहा है। पूरे देश में चर्चा किसी राज्य की है तो उस राज्य का नाम राजस्थान है।फिर चाहे 25 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा की

बात हो या पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की चर्चा हो। और भी कई योजनाएं हैं आठ–दस योजनाएं ऐसी हैं जो सिर्फ राजस्थान में शुरू हुई हैं।'' उन्होंने कहा,''(राजस्थान) पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब कई राज्यों में बनने वाले चुनावी घोषणा पत्रों का आधार राजस्थान की योजनाएं ही हैं।'' इससे पहले गहलोत ने राजस्थान किसान महोत्सव को संबोधित किया और उन 41 हजार से अधिक किसानोंध्पशुपालकों के खातों में 175 करोड़ रुपये से अधिक की प्रत्यक्ष राशि अंतरित (डीबीटी) की जिनकी दुधारू गायों की मौत गांठदार लंपी रोग से हो गई।उन्होंने दावा किया कि राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है जिसने लंपी रोग से मरने वाली दुधारू गायों के मुआवजे के रूप में पशुपालकों को 40–40 रुपये डीबीटी किए हैं। गहलोत ने कहा,'' हमने बजट में घोषणा की थी कि लंपी से जिन पशुपालकों की दुधारू गाय मर गई हैं उन्हें हम 40–40 हजार रुपये प्रति गाय की दर से सहायता देंगे। अब हमने आगे के लिए बीमा कर दिया है, कामधेनु योजना के तहत हर परिवार में दो पशुओं (गाय हो या भैंस) 40–40 हजार रुपये का बीमा करवाया जाएगा। यह बीमा सरकार कराएगी ताकि पशुपालकों का विश्वास पशुपालन में बना रहे।''मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के अलावा पशुपालन भी रोजगार का बड़ा साधन होता है। किसानों के साथ साथ सरकार पशुपालकों को भी पूरी तवज्जो दे रही है। उन्होंने कहा कि हम पशुपालकों को अब हम दूध पर पांच रुपये प्रति लीटर बोनस दे रहे हैं। गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान आज देश में दुग्ध संग्रहण में देश में 'नंबर वन' हो गया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़ी बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान कृषि व पशुपालन सहित कई क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है।

## सेंथिल बालाजी सच न बता दें, स्टालिन को सता रहा डर

नई दिल्ली। पूर्व सीएम एडप्पादी पलानीस्वामी ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का चेन्नई के अस्पताल का दौरा प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के बाद मंत्री वी सेंथिल बालाजी की जांच के लिए श्डरश के कारण था। पलानीस्वामी ने दावा किया कि स्टालिन को डर है कि बालाजी सूचना प्रदान कर सकते हैं जो द्रविड़ मुनेत्र कड़गम नेता के राजनीतिक करियर को नुकसान पहुंचा सकता है।पूर्व सीएम पलानीस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री स्टालिन ने सेंथिल बालाजी से अस्पताल में मुलाकात की क्योंकि उन्हें डर था कि वह प्रवर्तन विभाग को कुछ जानकारी प्रकट कर सकते हैं। इससे न सिर्फ सीएम बल्कि उनके मंत्री भी दहशत में हैं।अगर बालाजी सच बताते हैं तो स्टालिन का राजनीतिक करियर प्रभावित होगा।

## कर्नाटक के बहाने फडणवीस का उद्धव ठाकरे पर तंज

**एजेंसी**

नई दिल्ली। फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस सावरकर और हेडगेवार को पाठ्यपुस्तकों से हटा सकती है लेकिन लोगों के दिलो–दिमाग से नहीं। महाराष्ट्र में विपक्ष कर्नाटक मॉडल को दोहराना चाहता है। मैं उद्धव ठाकरे से पूछना चाहता हूं कि इस मुद्दे पर उनका क्या स्टैंड है? स्कूली पाठ्यक्रम से वीर सावरकर और केबी हेगड़ेवार पर अध्यायों को हटाने का हवाला देते हुए, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने पूर्व सहयोगी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना पर तंज कसा है।

## सम्पादकीय

# मध्य प्रदेश में कांग्रेस के सभी दाव

कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश में कर्नाटक की तर्ज पर गारंटियां देनी शुरू की है। सरकार बनने पर खजाना खोलने का ऐलान किया है। पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाएगी हालांकि कर्नाटक में इसकी घोषणा नहीं हुई थी। मुफ्त की बिजली, महिलाओं को नकदी, किसानों की कर्जमाफी, पांच सौ रुपए में रसोई गैस सिलिंडर आदि देने की घोषणा हो गई है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने जबलपुर में कांग्रेस के चुनाव अभियान का आगाज करते हुए कहा कि ये कांग्रेस का वादा है और कांग्रेस अपना वादा लागू करती है। उन्होंने राज्य के लोगों को अगले चार पांच महीने कांग्रेस की दूसरे राज्यों की सरकारों पर नजर रखने को भी कहा।इस आधार पर कह सकते हैं कि कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश में कर्नाटक मॉडल पर चुनाव लड़ रही है। लेकिन मुफ्त की घोषणाओं के अलावा मध्य प्रदेश का चुनाव कर्नाटक से पूरी तरह से अलग मॉडल पर लड़ा जा रहा है। दोनों चुनावों का सबसे बुनियादी फर्क यह है कि कर्नाटक में कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता के मुद्दे पर लड़ी थी, जबकि मध्य प्रदेश में हिंदुत्व के मुद्दे पर लड़ रही है। कर्नाटक में कांग्रेस पूरी तरह से भाजपा का कंट्रास्ट दिख रही थी, जबकि मध्य प्रदेश में वह भाजपा की फोटोकॉपी बन रही है। कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव में खुल कर अपने को मुसलमानों के साथ दिखाया था और कहा था कि सरकार बनने पर वह मुसलमानों का चार फीसदी आरक्षण बहाल करेगी। इतना ही नहीं बजरंग दल पर पाबंदी लगाने का वादा भी किया था।

इसके उलट मध्य प्रदेश बजरंग सेना कांग्रेस का साथ दे रही है। पिछले दिनों बजरंग सेना के नेता कमलनाथ से मिले और उनको हनुमानजी की गदा भेंट की। कर्नाटक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच से जय बजरंग बली के नारे लगा रहे थे और मध्य प्रदेश में कमलनाथ बजरंग बली के नारे लगा रहे हैं। जबलपुर में प्रियंका गांधी की सभा के लिए जो पंडाल बनाया गया था, उसके ऊपर एक विशाल गदा स्थापित की गई थी। प्रियंका ने दर्जनों पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच मां नर्मदा की पूजा अर्चना की और उसके बाद जनसभा के लिए गईं।

दोनों राज्यों का एक फर्क यह भी है कि कर्नाटक में कांग्रेस अघोषित रूप से सिद्धरमैया के चेहरे पर लड़ रही थी, जो कि घोषित रूप से नास्तिक हैं। अपने पूरे चुनाव प्रचार में वे किसी मंदिर या मस्जिद में नहीं गए। इसके उलट मध्य प्रदेश में कांग्रेस कमलनाथ के चेहरे पर लड़ रही है, जो चुनाव से पहले मंदिर मंदिर घूम रहे हैं और अपने को शिवराज सिंह चौहान से ज्यादा आस्थावान हिंदू साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे मध्य प्रदेश में कांग्रेस जो कर रही है वह कोई नई चीज नहीं है। 2002 के गुजरात दंगों और वहां के विधानसभा चुनाव के एक साल बाद जब मध्य प्रदेश का विधानसभा चुनाव हुआ था तब भी कई नेता नरम हिंदुत्व के रास्ते चल रहे थे। तब से लेकर आज तक कांग्रेस वही राजनीति करती और हारती आ रही है। 15 साल के बाद 2018 में वह जरूर जीती लेकिन भाजपा से उसको सिर्फ नौ सीटें ज्यादा मिली थीं और यही कारण था कि डेढ़ साल से कम समय में ही कांग्रेस ने सत्ता गंवा दी थी।

# ट्रंप का इतावली पितामह!

श्रुति व्यास

इटली राष्ट्रीय शोक में है। दूसरे महायुद्ध बाद सर्वाधिक लंबे समय प्रधानमंत्री रहे बर्लुस्कोनी की मृत्यु के गम में। वे 86 वर्ष के थे। एक मायने में बर्लुस्कोनी पश्चिमी सभ्यता के पहले डोनाल्ड ट्रंप। ट्रंप और बारिस जानसन उनके मानों वारिस, छोटे संस्करण! इटली की मौजूदा प्रधानमंत्री उनकी मुरीद रही है। वे एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जिससे आधे इतावली उन्हे श्रद्धा से देखाते है वही विरोधी नफरत करते हुए। उनकी लीडरशीप मजबूत और निर्णायक व्यक्तित्व वाली थी। वे अरबपति थे। पैसे की ताकत से राजनीति पर कब्जा बनाया। उनका सबसे बडा मीडिया हाऊस तो एक फुटबाल क्लब के मालिक भी। सत्ता और पैसे से बर्लुस्कोनीने जितनी रंगीनियों, जैसी बेधड़की, बेशर्मी से जिंदगी जी वैसी पश्चिम में शायद ही किसी दूसरे प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने जी हो। वे चार बार प्रधानमंत्री बने और सेक्स स्कैंडलों और भ्रष्टाचार के मामलों से लगातार घिरे रहे।लेकिन उन्होंने राजनीति कभी नहीं छोड़ी। इटली की अलग पहचान बनाई। पूरी दुनिया में उनका नाम मौज–मस्ती की बुंगाबुंगा पार्टियों से हुआ।इसलिए सिल्वियो बर्लुस्कोनी की कहानी बहुत दिलचस्प है। उन्होने एक रंगीन और भड़कीला परंपरागत इटेलियन जीवन जीया, जिससे इटली की जनता से उनकी केमेस्ट्री बनी। वे शुरूआत से राजनीतिज्ञ नहीं थे। वे एक क्रूज शिप गायक थे। उन्होंने अपना करियर वैक्यूम क्लीनर के बतौर सेल्समैन शुरू किया था। आगे चलकर उन्होंने अपना विशाल व्यावसायिक साम्राज्य खड़ा किया।इसमें प्रापर्टी, मीडिया और फुटबाल शामिल थे। बर्लुस्कोनी, जिन्हें कैवालियेरे (नाईट) कहा जाता था, का राजनीति में आना सन् 1994 में हुआ जब वे पहली बार एक आम चुनाव में जीते।चुनाव से तीन महिने पहले ही बर्लुस्कोनी ने फोजर्घ इटेलिया पार्टी बनाई थी। उन्होंने अपने मीडिया संस्थानों का चतुराई से उपयोग करके लोकलुभावन मुद्दे उठाए। उस दौर में भ्रष्टाचार से देश में निराश माहौल था। यह कहना ही होगा कि किस्मत ने हमेशा उनका साथ दिया। उन्हें बुलंद मुकद्दर वाला व्यक्ति माना जाता था, जिसमें जबरदस्त ऊर्जा थी। वे एक काबिल सेल्समैन थे जिसमें अपनी बात मनवाने की प्रतिभा थी। उनमें अनंत आत्मविश्वास था। वे राह में रोड़ा बनने वाले कानूनों को ठेंगा दिखाते थे। उन्होंने अपनी जीवनी के एक अमेरिकी लेखक से कहा था, वे लोगों को अपना बनाना और उनका नेतृत्व करना जानते थे। कहा, ष्मैं जानता हूं कि जनता का प्यार कैसे हासिल किया जा सकता हैष।जब वे प्रधानमंत्री बने तो उससे एक साल पहले, सन् 1993 में इटली के युवाओं के बीच हुए एक जनमत संग्रह का नतीजा था कि युवा उन्हें जीसस से भी अधिक प्यार करते थे!बर्लुस्कोनी किसी विचारधारा से बंधे हुए नहीं थे। हम उन्हें आज जनलुभावक पोपुलिस्ट नेता कह सकते हैं। वे बुद्धि और वाकपटुता से लोगों का आकर्षित करते थे, जिसमें एक शविचारधाराश शामिल थी जो जुमलेबाजी और लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े मुद्दों पर जोर देने से हिट थी। वे वोटरों से शिकायत करते थे कि वे उनकी निस्वार्थता की प्रशंसा नहीं करते! वे उन्हें याद दिलाते थे कि उनके दुनियाभर में 20 से ज्यादा मकान हैं लेकिन उनकी सुख–सुविधाओं का आनंद लेने के बजाए वे दिन–रात अपने देश के अहसानफरामोश नागरिकों की सेवा कर रहे हैं! यह थीम आज की राजनीति में भी तो आम है।बर्लुस्कोनी के कारण इटली में काफी बदलाव आए। राजनीति, खेल और संस्कृति में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और इटली व इतावलियो की इमेज बदली। उनके प्रशंसक उन्हें चाहते थे, उन्हें पूजते थे और अभी उनकी मृत्यु का शोक मना रहे हैं। उनके मुरीद जो बरसों तक गाते थे ष्थैंक्स गुडनेस, देयर इज सिल्वियोष वे मानते हैं कि बर्लुस्कोनीकुदरत का करिश्मा थे, जिन्होंने इटली की राजनीति को आधुनिक बनाया, लोकतंत्र को परिपक्व किया और सरकार पर अत्यधिक निर्भर लडखड़ाती अर्थव्यवस्था में पूंजीवादी जोश और उत्साह का संचार किया। प्रधानमंत्री जिर्योजिया मेलोनी ने अपने गठबंधन साथीबर्लुस्कोनी के बारे में वक्तव्य दिया है कि, श्गुडबाय सिल्वियोश्। उन्हें श्इटली के इतिहास के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एकष बताया।उनकी राजनीति और उनकी जीवनशैली की निंदा करने के बावजूद उनके आलोचक भी मानते है कि सिल्वियो बर्लुस्कोनी एक सुधारक थे। अच्छा या बुरा, जो भी था, वे अपने काम में माहिर थे।अतिराष्ट्रवादी और शानदार व्यक्तित्व वाले बर्लुस्कोनी स्वयं को अत्यंत महान मानते थे। ऐसा लगता है कि इटली के अधिकतर लोगों की तरह वे भी यह मानते थे कि वे अमर हैं। हाल में उन्होंने अपनी श्जैविक आयुष 50 वर्ष के आसपास बताई थी ।

# लोकसभा चुनाव की इस साल रिहर्सल!

**राजस्थान में पांच सौ रुपए में रसोई गैस के सिलिंडर मिलने लगे हैं और हिमाचल की तरह मध्य प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल करने की घोषणा कांग्रेस ने कर दी है। भाजपा भी पीछे नहीं है लेकिन चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्त की रेवड़ी को राज्य के लिए नुकसानदेह बताया है इसलिए भाजपा को यह काम ढके छिपे करना पड़ रहा है।**

अजीत द्विवेदी

इस साल के अंत में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को राजनीतिक विश्लेषक अगले साल के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल बता रहे हैं। एक तो यह सेमीफाइनल का जुमला राजनीति और चुनाव के संदर्भ में बंद होना चाहिए। राजनीति में सेमीफाइनल जैसी कोई चीज हो ही नहीं सकती है। खेलों में सेमीफाइल होते हैं, जिसमें हारने वाली टीम या खिलाड़ी बाहर हो जाते हैं। वे फाइनल नहीं खेल पाते हैं, जबकि राजनीति में ऐसा नहीं होता है। राजनीति में, जिसे सेमीफाइनल कहा जाता है, उसमें हारने वाला फाइनल भी खेलता है और कई बार जीत भी जाता है, जैसे पांच साल पहले उन्हीं राज्यों में हुआ था, जिन राज्यों में इस साल के अंत में चुनाव हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम पांचों राज्यों में भाजपा बुरी तरह से हारी थी। लेकिन छह महीने के बाद ही लोकसभा चुनाव में उसने तेलंगाना में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में जीतने वाली कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। इसलिए नवंबर–दिसंबर में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को सेमीफाइनल जैसा कुछ कहने या उस नजरिए से देखने की जरूरत नहीं है। इसकी बजाय इन चुनावों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के रिहर्सल की तरह देख सकते हैं। जिस तरह 26 जनवरी को राजपथ पर होने वाली परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल 23 जनवरी को होती है। उसी तरह अप्रैल–मई में होने वाले लोकसभा चुनाव की फुल ड्रेस रिहर्सल इस साल के अंत में पांच राज्यों में होगी। ये पांच राज्य मोटे तौर पर उत्तर–दक्षिण और पूरब–पश्चिम चारों दिशाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इन राज्यों के चुनाव नतीजों से कुछ भी साबित नहीं होगा और न आगे का कोई संकेत मिलेगा। विधानसभा चुनावों के नतीजों से बिल्कुल उलट लोकसभा चुनाव का नतीजा हो सकता है। इसके बावजूद ये चुनाव इसलिए अहम हैं क्योंकि इसमें भाजपा और कांग्रेस दोनों के संगठन, चुनाव की तैयारियों, चुनावी मुद्दों आदि का पता चलेगा। वैसे तो भाजपा और कांग्रेस के बीच अभी बहुत फासला है। कांग्रेस के 52 लोकसभा सांसदों के मुकाबले भाजपा के 303 सांसद हैं और कांग्रेस के चार मुख्यमंत्रियों के मुकाबले भाजपा के अपने 10 मुख्यमंत्री हैं और छह मुख्यमंत्री सहयोगी पार्टियों के हैं। इसके बावजूद कर्नाटक विधानसभा के चुनाव नतीजों ने संतुलन बना दिया है। पिछले छह–सात महीने में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा सिर्फ गुजरात में जीती, जबकि हिमाचल और कर्नाटक में कांग्रेस जीत गई। इसलिए कहा जा सकता है कि मोमेंटम कांग्रेस के साथ हो गया। भाजपा से कमजोर होने के बावजूद कांग्रेस ने अपने को बराबरी की लड़ाई में खड़ा कर लिया है। तभी भाजपा की कोशिश होगी कि लोकसभा चुनाव से पहले वह मोमेंटम अपनी तरफ शिफ्ट करे। इन चुनावों में के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति और अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की भविष्य की राजनीति की झलक भी मिलेगी। खासतौर से केजरीवाल की राजनीति दिलचस्प होगी क्योंकि वे कांग्रेस के असर वाले तीनों राज्यों– राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पूरा जोर लगा कर लड़ेंगे ताकि कांग्रेस को कमजोर कर सकें और अपनी जगह बना सकें।

भाजपा का इन सभी राज्यों में बहुत मजबूत संगठन है और दूसरी ओर कर्नाटक की जीत के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भी जोश लौटा है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है और मध्य प्रदेश में भी उसने मजबूती से चुनाव लडने के लिए संसाधन जुटाए हैं। चुनाव वाले सभी राज्यों में कांग्रेस के पास मजबूत नेता हैं। सो, कह सकते हैं कि नेतृत्व, संगठन और संसाधन इन तीनों पैमानों पर कांग्रेस कमजोर नहीं पडने वाली है। इस तरह कम से कम तीन राज्यों में दोनों पार्टियों के बीच बराबरी का मुकाबला होना है। जो बेहतर उम्मीदवार चुनेगा, बेहतर रणनीति बनाएगा, बेहतर प्रचार करेगा और बेहतर प्रबंधन करेगा वह जीतेगा और जो जीतेगा उसके साथ मोमेंटम होगा। चुनाव वाले पांच राज्यों में विधानसभा की 679 सीटें हैं और 83 लोकसभा सीटें इन राज्यों में आती हैं। इन 83 में से 65 सीटें भाजपा के पास हैं और राजस्थान में एक सीट उसकी सहयोगी पार्टी ने जीती थी। विधानसभा चुनाव में जीत हार से लोकसभा के नतीजे तय नहीं होंगे इसके बावजूद विधानसभा के नतीजे इसलिए अहम होंगे क्योंकि इनसे तय होगा कि लोकसभा चुनाव किस पार्टी को कैसे लडना है।

संगठन की ताकत, नेतृत्व और संसाधन के साथ साथ इन पांच राज्यों में चुनावी एजेंडे की परीक्षा होनी है। कांग्रेस और भाजपा ने कर्नाटक में जो दांव आजमाए थे वो अखिल भारतीय स्तर पर कितने कारगर हो सकते हैं, उसका पता इन चुनावों से चलेगा। भाजपा ने स्थानीय नेतृत्व को दरकिनार कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा था और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कराने का भरपूर प्रयास किया था। यानी मोदी का चेहरा और हिंदुत्व का मुद्दा। इस साल के राज्यों के चुनावों में भी भाजपा इसी रास्ते पर चलेगी। दूसरी ओर कांग्रेस ने कर्नाटक में स्थानीय चेहरों को आगे किया था, सामाजिक संतुलन बनाया था और धर्मनिरपेक्षता का रास्ता पकड़ा था। कांग्रेस ने खुल कर कहा था कि नफरत फैलाने वाले सभी संगठनों पर पाबंदी लगाएंगे चाहे वह पीएफआई हो या बजरंग दल हो। कांग्रेस ने दो टूक अंदाज में कहा था कि वह सत्ता में आई तो मुसलमानों को मिला चार फीसदी का आरक्षण बहाल करेगी। इसका नतीजा यह हुआ था कि जेडीएस को छोड़ कर मुस्लिम पूरी तरह से कांग्रेस के साथ एकजुट हुआ। भाजपा और कांग्रेस के बीच सात फीसदी वोट का अंतर यही से पैदा हुआ। कांग्रेस ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में धर्मनिरपेक्षता का कर्नाटक वाला रास्ता नहीं अपनाया है क्योंकि इन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला है। इन राज्यों में कोई तीसरी ताकत नहीं है, जिसकी ओर मुस्लिम वोट जाने का खतरा हो। इसलिए मुस्लिम को फॉर गारंटेड मान कर कांग्रेस नरम हिंदुत्व के रास्ते पर चल रही है। तेलंगाना में उसकी राजनीति कर्नाटक जैसी होगी।

राष्ट्रीय बनाम स्थानीय नेतृत्व और हिंदुत्व बनाम धर्मनिरपेक्षता के अलावा तीसरा मुद्दा श्मुफ्त की रेवड़ीश् का है। इन राज्यों के चुनाव में इस मुद्दे की वोट जिताने की क्षमता की परीक्षा होनी है। कांग्रेस ने कर्नाटक की तर्ज पर चुनावी राज्यों में मुफ्त की चीजें और सेवाएं बांटने का ऐलान शुरू कर दिया है। अगर यह मुद्दा कांग्रेस को फायदा पहुंचाता है तो राष्ट्रीय चुनाव में भाजपा लोक लिहाज छोड़ कर इसी रास्ते पर लौटेगी।

# लोकसभा चुनावों की आहट, चुनावी रथ में सवार दलों की सत्ताकांक्षा

ललित गर्ग

विपक्षी दल येन–केन–प्रकारेण भाजपा को सत्ता से बाहर करने में जुटे हैं, इसके लिये विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं। भाजपा एवं उसके सहयोगी दल भी अपनी स्थिति को मजबूती देते हुए पुनः सत्ता में आने के तमाम प्रयास कर रहे हैं।

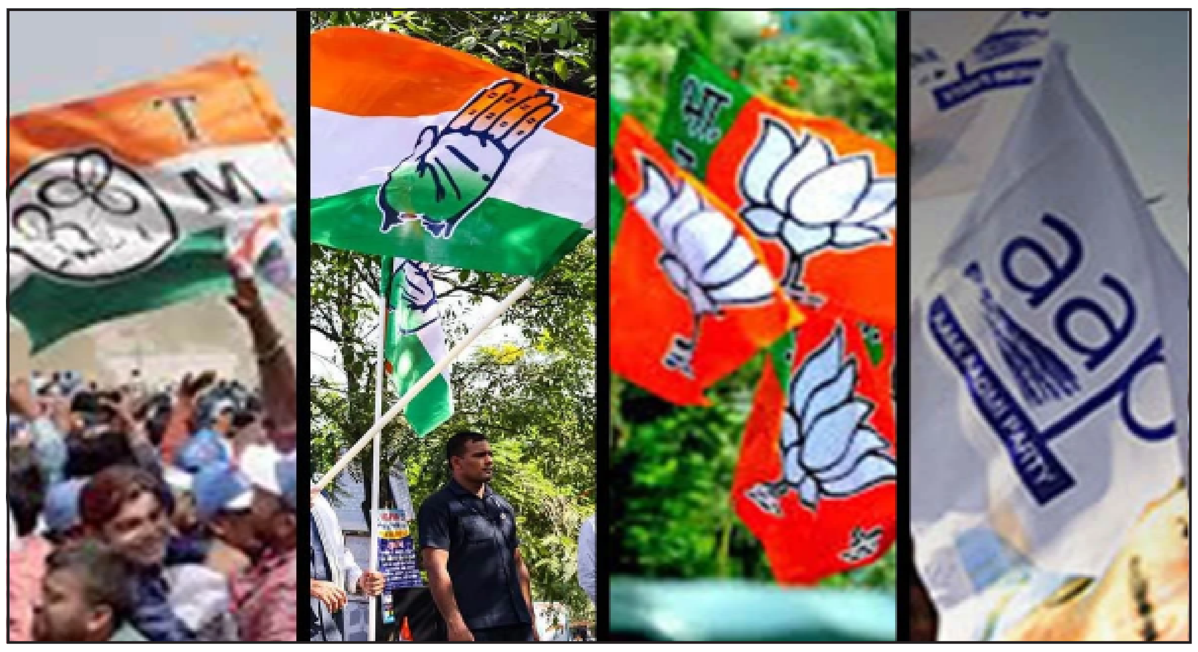

आजादी के अमृतकाल के पहले लोकसभा चुनाव की आहट अब साफ–साफ सुनाई दे रही है। भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मुद्रा में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप बिछ रही चुनावी बिसात में अपनी गोटियां सजाने में लगे दिखाई पड़ने लगे हैं। 2024 लोकसभा एवं इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है, वह पहली बार देखने को मिल रहा है की चुनाव के इतने लम्बे समय पूर्व ही चुनाव जैसी तैयारियां होती हुई दिख रही है। टुकड़े–टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर एक हो रहे हैं। विरोधी विचारधारा के दलों के साथ ग्रुप फोटो खिंचा रहे हैं। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बता रहे हैं। कुछ प्रमुख दलों के नेता स्वयं को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर देख रहे हैं। मतदाता जहां ज्यादा जागरूक हुआ है, वहां राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चालाक हुए हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले–सफेद मोहरें बिछाने शुरु कर दिये हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ प्रतीत करेगा। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा देश की डेढ़ अरब जनता को आजादी के अमृतकाल में। सभी नंगे खड़े हैं, मतदाता किसको कपड़े पहनाएगा, यह एक दिन के राजा पर निर्भर करता है। सभी इस एक दिन के राजा को लुभाने में जुटे हैं। कोई मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लेकर चुनाव जीतने की कोशिश करने में जुटा है तो कोई गठबंधन को आधार बनाकर चुनाव जीतने के सपने देख रहा है।

विपक्षी दल येन–केन–प्रकारेण भाजपा को सत्ता से बाहर करने में जुटे हैं, इसके लिये विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं। भाजपा एवं उसके सहयोगी दल भी अपनी स्थिति को मजबूती देते हुए पुनः सत्ता में आने के तमाम प्रयास कर रहे हैं। इसके लिये एनडीए ने भी नए साथियों की तलाश तेज कर दी है। केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की हाल में हुई तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की यात्रा से इसके पक्के संकेत मिले। भाजपा लंबे समय से दक्षिण भारत में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भी उसने इस सिलसिले में तैयारियां शुरू कर दी हैं। उत्तर भारत में वह पिछले लोकसभा चुनाव में जितना चमत्कारी प्रदर्शन किया गया कि इस बार उसे दोहराना उसके लिये जटिल प्रतीत हो रहा है। इसलिए अगर उसे फिर से बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आना है तो दक्षिण में सीटें बढ़ानी होंगी। इससे उत्तर भारत में सीटों की संख्या में संभावित कमी की भरपाई हो जाएगी। भाजपा इस योजना पर पूर्ण आत्मविश्वास एवं प्रखरता के साथ बढ़ भी रही थी, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनावों से उसे झटका लगा। इसके बाद से कहा जा रहा है कि भाजपा पहले जितनी ताकतवर नहीं रही। लेकिन भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह अपनी हार के कारणों को बड़ी गहराई से लेते हुए उन कारणों को समझने एवं हार को जीत में बदलने के गणित को बिठाने में माहिर है।

आम चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है, इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प एवं चुनौतीपूर्ण होने वाला है। कांग्रेस ने कर्नाटक की जीत को आम चुनाव की जीत से जोड़ने की जल्दबाजी दिखाना शुरु कर दिया है। जिस तरह हिमाचल एवं कर्नाटक में उसने मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लिया, उसे वह इसी वर्ष होने वाले विभिन्न राज्यों के विधानसभा एवं वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में दोहराने को तत्पर है। इसका ताजा प्रमाण है जबलपुर में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की यह घोषणा कि यदि राज्य में उनकी सरकार बनी तो सौ यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी, रसोई गैस सिलेंडर पांच सौ रुपये में दिया जाएगा और महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने किसानों का कर्ज माफ करने और पुरानी पेंशन योजना लागू करने का भी वादा किया। उन्होंने इसे पांच गारंटी की संज्ञा दी। कुछ इसी तरह की गारंटियां कर्नाटक एवं हिमाचल में दी गयी थी, उन्हें पूरा करने के लिए दोनों ही प्रांतों की चुनी सरकारों को एड़ी–चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है, क्योंकि राज्य की वित्तीय स्थिति उन्हें पूरा करने की अनुमति नहीं देती। जैसी गारंटियां, लोकलुभावन वादे एवं मुक्त की रेवड़ियां कांग्रेस देने की बात कर रही है, वैसी ही अन्य दल भी कर रहे हैं, जिनमें आम आदमी पार्टी का सर्व–सर्वा है। क्योंकि अभी हाल में दिल्ली नगर निगम चुनाव में उसने दस गारंटियां दी थीं। ये गारंटियां और कुछ नहीं लोकलुभावन वादे ही होते हैं, जिन्हें जनकल्याण का नाम दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश में मुख्यमन्त्री शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव से छह महीने पहले ही लोक कल्याणकारी योजनाओं की झड़ी लगा रखी है जिससे राज्य का चुनावी माहौल और गर्मा रहा है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम–दाम–दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि "अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।श

लोकसभा चुनाव केवल दलों के भाग्य का ही निर्णय नहीं करेगा, बल्कि उद्योग, व्यापार, रक्षा आदि राष्ट्रीय नीतियों, राष्ट्रीय एकता, स्व–संस्कृति, स्व–पहचान तथा राष्ट्र की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग जाति का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म व क्षेत्रीयता व्यापक रूप से उभर कर आती हुई दिखाई दे रही है। और दलों के आधार पर गठबंधन भी एक प्रदेश में और दूसरे प्रदेश में बदले हुए हैं। एक प्रांत में सहयोगी वही दूसरे प्रांत में विरोधी है। कुर्सी ने सिद्धांत और स्वार्थ के बीच की भेद–रेखा को मिटा दिया गया है। चुनावों का नतीजा अभी लोगों के दिमागों में है। मतपेटियां क्या राज खोलेंगी, यह समय के गर्भ में है। पर एक संदेश इस चुनाव से मिलेगा कि अधिकार प्राप्त एक ही व्यक्ति अगर ठान ले तो अनुशासनहीनता, भ्रष्टाचार, महंगाई, गरीबी आदि समस्याओं पर नकेल डाली जा सकती है। लेकिन देश बनाने एवं विकास की ओर अग्रसर करने की बजाय सभी दल मुक्त रेवडियां बांट कर एक अकर्मण्य पीढ़ी को गढ़ने की कुचेष्टा कर रहे हैं, कई बार तो ऐसी घोषणाएं भी कर दी जाती हैं, जिन्हें पूरा करना संभव नहीं होता। उन्हें या तो आधे–अधूरे ढंग से पूरा किया जाता है या देर से अथवा उनके लिए धन का प्रबंध जनता के पैसों से ही किया जाता है। उदाहरणस्वरूप कर्नाटक सरकार ने दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने के वादे को पूरा करने के लिए बिजली महंगी कर दी। इसी तरह पंजाब सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर वैट बढ़ा दिया। चुनाव जीतने के लिए वित्तीय स्थिति की अनदेखी कर लोकलुभावन वादे करना अर्थव्यवस्था के साथ खुला खिलवाड़ है। इस पर रोक नहीं लगी तो इसके दुष्परिणाम जनता को ही भुगतने पड़ेंगे। जो चुनाव सशक्त एवं आदर्श शासक नायक के चयन का माध्यम होता है, उससे अगर नकारा, ठग एवं अलोकतांत्रिक नेताओं का चयन होता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं देश की विडम्बना है।

# एआई के बढ़ते प्रयोग से समुचित नियामक बनाने को गम्भीर हुई सरकार

कमलेश पांडे

उल्लेखनीय है कि 85 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जिनके 2025 तक 120 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में उनके निजता को खतरा पहुंचाने और सुरक्षा के डर को लेकर सरकार सतर्क है।देश–दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के बढ़ते प्रयोग से उतपन्न होने वाली कतिपय व्यक्तिगत और सांस्थानिक चुनौतियों से जुझने के लिए केंद्र सरकार अब सतर्क हो चुकी है। वह इस बारे में शीघ्र ही समुचित नियामक बनाने की तैयारी कर रही है, ताकि एआई से जुड़ी दो बड़ी चुनौतियों– निजता को खतरा और सुरक्षा के डर का कुशलता पूर्वक सामना किया जा सके।केंद्र सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को नियंत्रित करने के लिए कुछ खास नियम कायदे बनाने की पहल की है। इस बारे में बताते हुए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा कि सरकार जल्द ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के नियंत्रित इस्तेमाल को लेकर नए नियम लाएगी, जिससे सरकार एआई को रेगुलेट कर सकेगी। उन्होंने कहा, सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाएगी कि यह डिजिटल नागरिकों को नुकसान न पहुंचाए। इस हेतु डिजिटल इंडिया बिल पर हितधारकों के साथ विचार विमर्श इसी माह यानी जून 2023 में शुरू होगा। वहीं, नया पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल भी जल्द ही संसद में पेश होगा। यानी शीतकालीन सत्र में इसके पेश होने के आसार प्रबल हैं।केंद्रीय राज्यमंत्री ने ठीक ही कहा है कि इंटरनेट पर विषाक्तता और अपराधों में काफी वृद्धि हुई है। लेकिन सरकार डिजिटल नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को सफल नहीं होने देगी। वहीं, उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि फिलहाल एआई से नौकरियों पर कोई खतरा नहीं है। एआई कामकाज को बेहतर बनाने के लिए है, पर ऐसी स्थिति से निपटने में सक्षम नहीं है जहां तर्क और बुद्धिमत्ता की आवश्यकता हो। उल्लेखनीय है कि 85 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जिनके 2025 तक 120 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में उनके निजता को खतरा पहुंचाने और सुरक्षा के डर को लेकर सरकार सतर्क है। इस बारे में वह अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के नियम–कानून पर भी गौर कर रही है, ताकि भारतीय नियम–कानूनों में कोई कमी नहीं रह जाए।उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व बग के कारण चौटजीपीटी की सर्च हिस्ट्री लीक हुई थी, जिसे निजता को खतरा के रूप में लिया जा रहा है और समझा जाता है कि ऐसा खतरा आगे भी बना रहेगा। वहीं, एआई के जानकार बताते हैं कि अभी एआई को दी जाने वाली कमांड फिक्स हैं, लेकिन आगे मानव रहित एआई आधारित रक्षा उपकरणों में गड़बड़ी हुई तो यह नई चुनौती होगी, जिससे पार पाने में यदि थोड़ी सी भी मुश्किल आई तो सुरक्षा का डर बना रहेगा। यही वजह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर सरकार गम्भीर हो गई है। वहीं, एआई के दृष्टिगत जहां अमेरिका में मौजूदा कानूनों का उपयोग किया जा रहा है तथा इसे और भी सख्त बनाने की योजना है। वहीं, चीन में एआई के बारे में मसौदा तैयार हो रहा है। उसने एआई मॉडल निर्माण में उद्यमों का समर्थन करने की बात कही है। इधर, ब्रिटेन में एआई प्राधिकरण नया दिशानिर्देश तैयार करेगा और उपभोक्ताओं तथा व्यवसायों पर इसके प्रभाव की जल्द जांच करेगा। उधर, इजरायल ने एआई नीति पर मसौदा प्रकाशित किया और विभागों से जानकारी मांगी गई है। वहीं, इटली एआई प्लेटफॉर्म की समीक्षा करने और विशेषज्ञ नियुक्ति की योजना बनाई गई है।एक अध्ययन से पता चला है कि एआई पर दुनिया का भरोसा बढ़ा है।

## क्षेत्र पंचायत की बैठक में हुआ हंगामा

**शिकायतो का लगा रहा अंबार, राज्य सभा सांसद ने अधिकारियों और कर्मचारियों को लगाई फटकार**

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज जौनपुर। सुजानगंज ब्लाक सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक का आयोजन किया गया। खंड

विकास अधिकारी अस्मिता सेन ने मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी का माल्यार्पण कर स्वागत किया. कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विभाग, पशु चिकित्सक एवं अन्य विभाग के जिम्मेदार लोगों द्वारा अपने अपने विभाग से संबंधित योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में गांव के विकास की योजनाओं के संबंध में चर्चा शुरू हुई तो मौके पर उपस्थित लोगो द्वारा शिकायतो का अंबार लग गया। सुधीर तिवारी निवासी फरीदाबाद ने आरोप लगाया कि महीनों पूर्व कराए गये कार्य का भुगतान नही हो रहा है।चंदन त्रिपाठी ने अभद्रता करने तथा, विजय कुमार पटेल ने एपीओ मनीष सिंह के ऊपर पैसा लेने पर भी काम न करने का आरोप लगाया। प्यारेपुर ग्राम प्रधान प्यारे लाल निषाद ने पूर्व प्रधान पर आरोप लगाया कि पूरा भुगतान करा लिये जाने के बाद भी पंचायत भवन नही बना। बिकैपुर पंचायत सहायक सोनम सिंह ने चौदह महीने से मानदेय न मिलने के कारण ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखिलेश दूबे एवं ग्राम विकास अधिकारी विनोद सरोज द्वारा परेशान करने की नियत से मानदेय रोके जाने के विषय मे शिकायत की। सभी शिकायतों का परियोजना निदेशक जयकेश त्रिपाठी ने संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने का संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि जल्द से जल्द समस्या का निदान करें नही तो कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन सुरेश पटेल ने किया। ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

## जेल चिकित्सालय, महिला बैरक सहित अन्य बैरकों का गहनता से निरीक्षण किया

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा जौनपुर

जौनपुर । जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल के द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न बैरकों यथा जेल चिकित्सालय, महिला बैरक सहित अन्य बैरकों का गहनता से निरीक्षण किया गया एवं तलाशी ली गई, जिसमें कुछ भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। साफ–सफाई व्यवस्थित पाई गयी।

जिलाधिकारी महोदय ने जेल अस्पताल के निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली तथा जेल बंदियों से भी उनको दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और निर्देशित किया कि मरीजों का अच्छे से इलाज किया जाए तथा जेल में साफ–सफाई कराने के निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक एस के पांडेय, जेलर कुलदीप सिंह भदौरिया सहित अन्य अधिकारिगण उपस्थित रहे।

# नहर में उड़ रहे धूल को देख किसान परेशान

## नहर में पानी न आने से किसानो को बीजारोपण में हो रही समस्या

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज। क्षेत्र के शारदा सहायक खण्ड शाखा मड़ियाहूं नहर में पानी के बजाय धूल उड़ रहे हैं जिसे देख किसानों की बेचैनी बढ़ गई है।इस समय धान का बीजारोपण होना चाहिये तो नहर में पानी ही नही है विगत दो महीने से नहर में पानी नही आया गर्मी के मौसम में पानी न रहने से आस पास के गांवों में लगे हैंडपंपों की हालत दयनीय स्थिति में चल रही है जिससे किसानों की आशा जो है वो निराशा में बदल गई है फसलों की सिंचाई पंपिंगसेट से करनी पड़ रही है गर्मी के मौसम में पानी न आना दुर्भाग्यपूर्ण समस्या है जिसकी वजह से आस पास के गांवों के तालाब के भी पानी सूख गए है। नहर में सटे गांव पढ़ुआ,

भीलमपुर, सरायधाटम, ऊसरपुर,ऊंचागांव, रया, मोहरियाव, मुस्तफाबाद, तरसाव, सलारपुर, चौबेपुर सहित लगभग सैकड़ों गाँव शूखा से प्रभावित दिखाई दे रहे हैं।स्थानीय निवासी मणि शंकर यादव,कमलेश दुबे, बड़े चौबे, ज्ञान प्रताप सिंह, सुशील सिंह, रियासत अली सहित कई किसानों ने नहर में पानी आने की मांग की है। इस सम्बन्ध में जब नहर विभाग अवर अभियंता से बात की गई तो उन्होंने बताया कि नहर का पानी प्रतिवर्ष 1महीना15 दिनों तक पानी को विभाग द्वारा रोका जाता है ताकि नहर की साफ सफाई करा दी जाय उन्होंने बताया कि पानी लखीमपुर से छूट गई लगभग 22 जून तक पहुंचने की संभावना है।

# सप्ताह के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को दूसरे दिन मुख्य प्रशिक्षक जय सिंह गहलोत एवं सहायक प्रशिक्षक विकास सिंह ने योग के कई अभ्यास कराएं। योगाभ्यास में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। योगाभ्यास में लोलक आसन कराया गया। इससे मॉसपेशियों को गर्म करना, रीढ़ की हड्डी में लचक बढ़ाना और शरीर के संतुलन में श्सुधार किया जा सकता है। इसके बाद कोण आसन कराया गया। यह रीढ़ की हड्डी और शरीर के दोनों पार्श्वो को तानता है। उदर के अंगों, भुजाओं और टाँगों की मॉसपेशियों की टोनिंग करता है। कोण आसन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि इससे रीढ़ की हड्डी और शरीर के दोनों ओर की मांसपेशियों को संतुलित करता है, बाजू टांगों और पेट के अंगों की टोनिंग करता है। इसी क्रम में कटि चक्र आसन, हस्तपाद आसन,उत्कट आसन, बंद्धकोणासन, कपाल भाति, योग निद्रा का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर प्रो अजय द्विवेदी, डॉ मनोज कुमार पाण्डेय, , डॉ विवेक पाण्डेय, डॉ पुनीत सिंह, डॉ विनय वर्मा, मदन मोहन भट्ट, संतोष यादव, राजेंद्र प्रताप सिंह, राजन गुप्ता, रजनीश सिंह समेत करीब 156 विद्यार्थियों, कर्मचारियों, परिवार जनों एवं सुरक्षा कर्मियों ने प्रतिभाग किया।

## श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर विश्व रक्तदान दिवस की पूर्व संध्या पर जनपद की लगभग 700 समितियों की केंद्रीय कमेटी श्री दुर्गा पूजा महासमिति ने विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया।मंगलवार को लाइन बाजार स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के ब्लड बैंक पर महासमिति के अध्यक्ष अनिल अस्थाना के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने आई एम ए के डॉक्टरों की टीम ने लोगों को बारी–बारी से रक्त जांच के उपरांत रक्तदान कराया।जिसमें कि महा समिति के पदाधिकारियों के साथ समाज के विभिन्न धाराओं से जुड़े लोगों के साथ नगर के खिलाड़ियों ने रक्तदान करने में गजब का उत्साह दिखाया।श्री दुर्गा पूजा महा समिति के बैनर तले विगत 9 वर्षों से रक्तदान दिवस पर शिविर का आयोजन होता रहा है इस वर्ष महासमिति ने उक्त कार्यक्रम को 14 जून विश्व रक्तदान दिवस पर न करके रक्तदान दिवस की पूर्व संध्या पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। रक्तदान शिविर में मेडिकल जांच के उपरांत कुल 28 लोगों ने उत्साह पूर्वक स्वैच्छिक रक्तदान किया इस अवसर पर महा समिति के संरक्षक विंध्याचल सिंह, निखिलेश सिंह विशिष्ट सदस्य राधे कृष्णा ओझा, शशांक सिंह मोती लाल यादव विजय सिंह बागी महासचिव राहुल पाठक रामप्रकाश यादव मनीष देव महेश जयसवाल गौरव श्रीवास्तव अमित गुप्ता मनीष गुप्ता विजय गुप्ता अतुल प्रताप रवि शर्मा विष्णु गुप्ता राजन अग्रहरि निशाकांत आशीष रावत सर्वेश यादव रत्नेश सिंह लालता सोनकर कृष्णा सोनी आई ए डी एन के सिंह डॉक्टर, ए के मिश्रा, बी एन दुबे राहुल, सौरभ, जसविंदर प्रियंका सुमन अशोक कुमार प्रदीप सिंह रिंकू डॉ शरद मिश्रा अक्षत जायसवाल स्वयं यादव श्री गणेशन, नमन दीप सिंह, चुलबुल आदि उपस्थित रहे।

## राज्य सभा सांसद ने कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक में शामिल हुई

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज (जौनपुर)। स्थानीय क्षेत्र के राष्ट्रीय इंटरमीडिएट कॉलेज सुजानगंज में मोदी सरकार के नौ

वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं की टिफिन बैठक का आयोजन हुआ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने एक साथ बैठकर भोजन किया।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि मोदी सरकार में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। मोदी सरकार का यह नौ वर्ष ऐतिहासिक रहा है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक, धारा 370 हटाना, सड़कों का निर्माण जितना इस सरकार में हुआ उतना किसी सरकार में नही हुआ था। इस सरकार में भ्रष्टाचार बिलकुल समाप्त हो गया है यही वजह है कि सभी योजनाएं सुचारू रूप से चल रही है। मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि जनता मोदी सरकार से बिल्कुल संतुष्ट है और भारी बहुमत से फिर से सरकार बनाने का मन भी बना चुकी है।

महामंत्री सुनील तिवारी ने भी मोदी सरकार की उपलब्धियों को कार्यकर्ताओं के सामने गिनाया। कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं ने एक साथ टिफिन भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा जयप्रकाश तिवारी ने की। डा वेदप्रकाश त्रिपाठी, दिनेश मिश्र मुन्ना, कपिल मुनि गुप्ता, अजय सरोज, पुष्पा शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

## गांव के सपूत लेफ्टिनेंट पीयूष पाण्डेय की क्लास वन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर ग्रामीणों में खुशी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई जिले के विकासखंड भरखनी क्षेत्र अंतर्गत

सकरौली गांव निवासी पीयूष पाण्डेय ने एनडीए पुणे से ग्रेजुएशन एवं तीन साल ट्रेनिंग कंप्लीट कर, आईएमए देहरादून से एक वर्ष की ट्रेनिंग लेने के बाद लेफ्टिनेंट के रूप में सेना में क्लास वन अधिकारी का पद प्राप्त करने को लेकर गांव के साथ–साथ आसपास के इलाके के लोगों में काफी खुशी है। लेफ्टिनेंट पीयूष पाण्डेय ने अपने बाबा विक्रम पाण्डेय से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मुन्ना लाल, धनीराम, रतीराम, प्रताप, आलोक, जगदीश, महेश, दिनेश, हरीराम, रामसागर, बजेश, श्यामबहादुर, विजयबहादुर, रामबहादुर, सुरेश, राममोहन, सुरेन्द्र, वीरेन्द्र प्रमोद विमलेश, अनूप, रामलखन, संतोष लालाराम, आजाद, नन्हे, दिवाकर, अशोक, संजीव, विक्रम, रामप्रकाश, लज्याराम गौरव पिंकू, कष्णकुमार, शिवकुमार, शिवप्रसाद श्रवण कुमार सुभाष, सत्यम, सुधीर, सुनील, कमलेश, विमल कुलदीप, विवेक, विशाल, शशिकान्त, सचिन शत्रुीसरन, सुरेश तिवारी, अनिल, अरन अंकित दीपक कृष्णमोहन, बृजमोहन पुनीत कुमार अमित, आर्यन पाण्डेय उपस्थित रहे। सर्वप्रथम बाबा विक्रम पाण्डेय ने माल्यार्पण किया। पंडित राम मोहन त्रिवेदी ने वैदिक रीति रिवाज से वैदिक मंत्रोच्चारण कर पूजन कराया। परिवार की महिलाओं ने आरती उतारी और उपस्थित सभी लोगों ने आशीर्वाद दिया। आनंद पाण्डेय ने प्रसाद वितरण किया।

## सहायक वाणिज्य प्रबंधक– प्रथम/लखनऊ सुरेश कुमार संखवार के नेतृत्व में चला टिकट चेकिंग अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। टिकट चेकिंग मे बकाया निरीक्षक/फरीद अहमद, टीटीआई/लखनऊ के साजिद जहीर एवं एम0एस0 दीक्षित, गोरखपुर से सुधीर श्रीवास्तव, गोंडा के संजीव कुमार पटेल, आरपीएफगोंडा से कांस्टेबल हेमंत कुमार व पूनम तथा जीआरपी/बहराइच से हेड कांस्टेबल संदीप यादव तथा राजेन्द्र सिंह शामिल थे इस अभियान का नेतृत्व सहायक वाणिज्य प्रबंधक– प्रथम ध्लखनऊ सुरेश कुमार संखवार ने किया।

## विकास खण्ड भरखनी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

हरदोई। आज महिला कल्याण विभाग द्वारा जिलाधिकारी महोदय के निर्देश के क्रम में विकास खण्ड भरखनी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत एक दिवसीय पास्को एक्ट, घरेलू हिंसा अधिनियम आदि विषयो पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संरक्षण अधिकारी शैलेंद्र पाठक द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ ही महिला हेल्पलाइन नम्बर आदि के बारे में बताया गया। समाधान अभियान की जिला समन्वयक सौम्या द्विवेदी पाक्सो एक्ट, एवं घरेलू हिंसा सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया। उक्त कार्यशाला में आंकड़ा विश्लेषक रामू यादव, सुपरवाइजर, ग्राम प्रधानों, टीम के वालिंटियर, आशा बहू, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं महिलाओ द्वारा प्रतिभाग किया गया।

## भू–माफिया की मदद में जुटा योगी का दरोगा, तहसील कर्मियों के साथ मिलकर गरीब की झोपड़ी उजाड़ने पर अमादा

हरदोई। उप्र के योगी आदित्यनाथ जहां रामराज्य की परिकल्पना लिये गरीब के हित में तरह तरह की योजना चलाकर गरीब

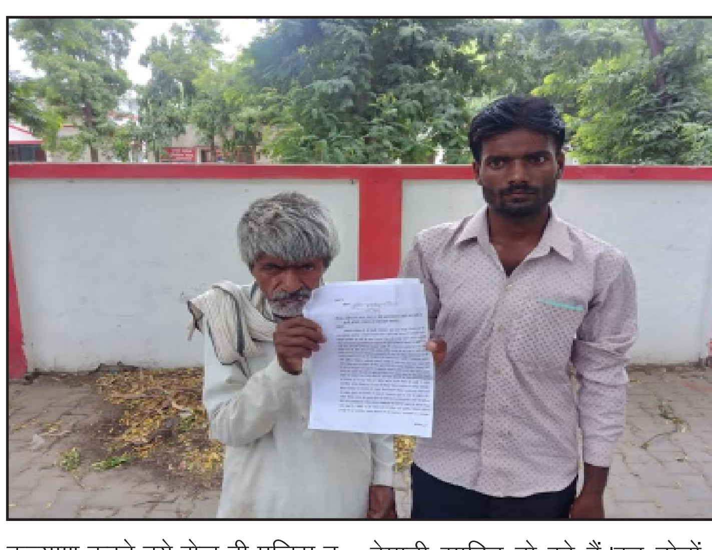

कल्याण करते हुये रोज ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को गरीब कल्याण के लिये फरमान जारी करते नहीं थक रहे हैं। लेकिन हरदोई जनपद में अधिकारियों की मनमानी से गरीबों को न्याय मिलना ही सम्भव होता दिख रहा है।हरदोई जिले के थाना लोनार के दरोगा कैलाश यादव व कानूनगो रमाकांत गुप्ता के आगे सभी कोर्ट व सरकार के आदेश निर्देश बेमानी साबित हो रहे हैं।इन दोनों द्वारा लोनार थाना क्षेत्र के गांव ऐंजा निवासी भू–माफिया परसादी,व रमाशंकर की खुली मदद कर सरकारी व पट्टे की जमीनों पर अवैध कब्जा करवा रखा है।इसी क्रम में गांव के पूरब 50वर्ष पूर्व से झोपडी डालकर जीवन यापन कर रहे गरीब उमाशंकर की जमीन पर नजर गडा दी। कानूनगो ने फर्जी कागजात के आधार पर थाकबंदी डालकर मेडबंदी का आदेश करवा लिया जिस पर अपना भौमिक अधिकार सुरक्षित रखने के लिये उमाशंकर ने हरदोई दीवानी कोर्ट में वादयोजित किया है। साथ ही थाकबंदी के आदेश को निरस्त कराने के लिये तहसील में मजिस्ट्रेट के यहां पुनः सुनवाई हेतु प्रार्थना पत्र दिया है।जिसमें सुनवाई की 19 जून२23 तारीख नियत है।जिसकी जानकारी दरोगा समेत कानूनगो को भी है। इसके बाबजूद भी दरोगा खुले आम गरीब की झोपडी उजाड़ने की धमकी दे रहा है। दरोगा ने गरीब से जबरदस्ती वर्दी का रौब दिखाकर एक सुलहनामा पर हस्ताक्षर भी ले लिया है।इस सब समस्या को लेकर उमाशंकर ने आज एसपी आफिस पहुंच कर न्याय दिलाने की मांग की है।

# पीड़ित ने एसपी डीएम से लगाई न्याय की गुहार

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा।

जौनपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी युवती को प्रेमी ने स्कॉर्पियो से ले जाकर सुनसान स्थान पर दोस्त के साथ मिलकर बलात्कार किया और शादी का झांसा देकर गुमराह किया। पीड़ित युवती ने एसपी और डीएम से लिखित शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के एक डिग्री कॉलेज के पास कंप्यूटर सीखने एक 20 वर्षीय युवती जाती थी और वही पदुमपुर निवासी एक युवक से युवती का प्रेम हो गया। युवती का आरोप है युवक ने प्रेम जाल में फंसा कर उसे शादी की बात करने लगा। जिस पर युवती राजी थी यह सिलसिला चलता रहा। विगत दिनों प्रेमी ने युवती को एक डिग्री कॉलेज के पास बुलाया और वहां वह उसका साथी स्कॉर्पियो लेकर खड़ा था। युवती को स्कॉर्पियो में बिठा कर दोनों उसे सुनसान स्थान पर ले गए। जहां दोनों ने मिलकर उसका बारी–बारी से दुष्कर्म किया। और उसके बाद लावारिस छोड़कर चले गए कहा कि अगर किसी से बताओगी तो जान से मार देंगे। लोक लाज के डर से वह चुप रही। लेकिन मानसिक रूप से व्यथित एवं अवसाद ग्रस्त हो गई। जब इसकी जानकारी परिजनों को हुई परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई उन्होंने कोतवाली मे लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। लेकिन पुलिस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। जिसके बाद पीड़ित पुलिस अधीक्षक से मामले की जानकारी लिखित रूप से दिया और डीएम को भी पत्र भेजकर मदद की गुहार लगाई और दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ कार्यवाही करने करने की मांग की।

## खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला महिला का शव

संवाददाता

लखनऊ। गोवर्धनपुर गांव में बृहस्पतिवार को संदिग्ध हालात में घर के पास ढैंचा के खेत में महिला का शव पड़ा मिला है। शव पर कई जगह खरोंच के निशान हैं लेकिन, परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।मुंशीगंज थाने के गोवर्धनपुर गांव निवासी विमला (50) बृहस्पतिवार की सुबह किसी के काम सिलसिले में घर से बाहर गई थी। काफी देर तक विमला नहीं लौटी तो परिजनों ने खोज–बीन करना शुरू किया। दोपहर बाद घर से करीब 40 मीटर दूर ढैंचा के खेत में विमला का शव पड़ा मिला।शव की कलाई, दाएं हाथ की कोहनी, पीठ आदि पर खरोंच के निशान थे। शव मिलने के बाद परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। विमला की मौत के बाद परिजन गमगीन है तो ग्रामीणों में भी मौत को लेकर तरह–तरह की चर्चा है।हालांकि कोई साफ तौर पर कुछ बोलने को तैयार नहीं था। परिजनों की ओर अब तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। इंचार्ज एसओ पारसनाथ यादव ने बताया कि मृतक के पुत्र शिवपूजन की सूचना पर पंचायतनामा के आधार पर शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सही कारणों का पता चलेगा। अभी परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। यदि तहरीर मिलती है तो केस दर्ज किया जाएगा। बावजूद इसके घटना की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।विमला के पति हरीराम लगभग 18 साल गायब हो चुके हैं। विमला अपनी पुत्री रेशमा व खुशबू के साथ पुत्र शिवपूजन, विक्रम व अविनाश के साथ रहती है। महिला मजदूरी करती थी। जिसका जवाब खोजने के साथ मौत के सही कारणों का पता लगाने में पुलिस जुटी है।

## सहायक वाणिज्य प्रबंधक– प्रथम/लखनऊ सुरेश कुमार संखवार के नेतृत्व में चला टिकट चेकिंग अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। टिकट चेकिंग मे टीटीआई/लखनऊ के साजिद जहीर एवं एम0एस0 दीक्षित, गोरखपुर से सुधीर श्रीवास्तव, गोंडा के संजीव कुमार पटेल, आरपीएफगोंडा से कांस्टेबल हेमंत कुमार व पूनम तथा जीआरपीध्बहराइच से हेड कांस्टेबल संदीप यादव तथा राजेन्द्र सिंह शामिल थे इस अभियान का नेतृत्व सहायक वाणिज्य प्रबंधक– प्रथम/लखनऊ सुरेश कुमार संखवार ने किया।

# महिला सहायता प्रकोष्ठ ने समझौता कराकर अब तक नौ परिवारो को टूटने से बचाया

अयोध्या।महिला सहायता प्रकोष्ठ ने किसी अनबन के चलते अब एक दूसरे से दूर रहें अब तक नौ परिवारो में समझौता कराकर टूटने से

बचाया।इसी कड़ी में शुक्रवार को महिला प्रकोष्ठ सहायता केंद्र मे शामिल सदस्यों ने एक परिवार को समझा बुझाकर एक रहने के लिए राजी किया। आवेदिका रामावती उर्फ पिंकी पुत्री विक्रम कुमार निवासी मोहल्ला तारापुर रजौली पुरम कालोनी के पीछे निकट जमथरा रोड थाना कैण्ट ने अपने पति राम लाल पुत्र कप्तान निवासी मोहल्ला जरवल कस्बा अग्रवाल थाना जरवल कस्बा अग्रवाल जिला बहराइच के विरुद्ध दहेज को लेकर पारिवारिक विवाद होने के सम्बन्ध मे प्रार्थना पत्र दिया था।इस मामले को सुलझाने के लिए उपरोक्त पक्ष व विपक्ष को महिला सहायता प्रकोष्ठ (परिवार परामर्श केन्द्र) जनपद अयोध्या मे कई तारीखों पर बुला कर काउंसिलिंग किया गया।जिसका नतीजा यह रहा कि शुक्रवार को दोनो पक्षों के सदस्य ने आपसी तालमेल से सुलह समझौता कर तथा प्रेम पूर्वक एक साथ जीवन यापन करने के लिए तैयार हो गये।इस मौके पर महिला के पति द्वारा बताया गया कि मै अपनी पत्नी को अच्छे से रखूगा व उसकी सभी जरूरतो को पूरा करूगा।इस टीम में ओम प्रकाश नाहर,श्यामा शर्मा,उप निरीक्षक श्रीमती साधना सिंह, महिला आरक्षी संजना चौहान, महिला आरक्षी शुभांशी, आरक्षी बसन्त यादव मौजूद रहे।

## गुजरात में बेची संपत्तियों से जुटाई रकम की जानकारी नहीं दे रहा महाठग संजय राय शेरपुरिया

संवाददाता

लखनऊ। संजय राय शेरपुरिया ने गुजरात में पांच कंपनियां बनाने के बाद बैंकों के कंसोर्टियम से करीब 400 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। बाद में उसने इस रकम से खरीदी गई संपत्तियों को बेचना शुरू कर दिया और खुद को दिवालिया घोषित कराने की कवायद में जुट गया।महाठग संजय राय शेरपुरिया से बीते 13 दिनों से पूछताछ कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी उससे सच उगलवा पाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। सूत्रों की मानें तो शेरपुरिया से गुजरात में बेची गई संपत्तियों से मिली रकम को निवेश के बारे में हो रही पूछताछ बेनतीजा साबित हो रही है। अधिकारियों को शक है कि गुजरात में शेरपुरिया ने करीब 400 करोड़ रुपये की हेराफेरी की है। बैंकों से लिए गए कर्ज के जरिए जुटाई गई संपत्तियों को बेचने के बाद उसे विदेश में निवेश किया गया है।बता दें कि संजय राय शेरपुरिया ने गुजरात में पांच कंपनियां बनाने के बाद बैंकों के कंसोर्टियम से करीब 400 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। बाद में उसने इस रकम से खरीदी गई संपत्तियों को बेचना शुरू कर दिया और खुद को दिवालिया घोषित कराने की कवायद में जुट गया। अपना कारोबार समेटने के बाद वह दिल्ली आ गया और गाजीपुर से चुनाव लड़ने की तैयारी करने लगा। उद्योगपति गौरव डालमिया से ईडी का केस खत्म कराने के नाम पर छह करोड़ रुपये लेने के मामले में ईडी ने उस पर कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया।

## संक्षिप्त समाचार

### टार्च की रोशनी में देखी सीएम योगी ने राम नगरी में विकास कार्य की हकीकत

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

मुख्यमंत्री ने पहली बार अयोध्या में रात में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखी है।रात्रि 9ः00 बजे मुख्यमंत्री सबसे पहले गुप्तार घाट पहुंचे और वहां चल रही योजनाओं को देखा। उन्होंने गुप्तार घाट पर करीब एक किलोमीटर पैदल चलकर टॉर्च की रोशनी में मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की गुणवत्ता देखी। गुप्तार घाट पर निर्माणाधीन क्रूज के बारे में भी मुख्यमंत्री को बताया गया। इसके बाद गुप्तार घाट के नवनिर्मित बंधे से होते हुए मुख्यमंत्री राम की पैड़ी पहुंचे। राम की पैड़ी का निरीक्षण करने के बाद सीएम ने परिक्रमा मार्ग भी देखा।उन्होंने बरसात से पहले राम पथ के गड्ढों को भरने का निर्देश दिया। सूर्य कुंड में लेजर शो की भी प्रस्तुति मुख्यमंत्री के सामने की गई। सूर्य कुंड की भव्यता से मुख्यमंत्री निहाल नजर आ रहे थे उन्होंने अधिकारियों को शाबाशी भी दी।निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री सूर्यप्रताप शाही, सांसद लल्लू सिंह, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, जिलाधिकारी नीतीश कुमार, नगर आयुक्त विशाल सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

### तेज धूप व गर्म हवा के चलते आम जनमानस का हुआ बुरा हाल

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अरब सागर में उठे तूफान बिपर्जय का प्रभाव यहां भी दिख रहा है।वही तेज धूप व गर्म हवा के चलते लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।इस कारण उत्तरी पश्चिमी दिशा से हवा की गति 13 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई है।हाल यह है कि दिन में राह चलना मुश्किल हो गया है। धूल भरी हवा से दो पहिया वाहन चालकों को खासी समस्याओं का सामना करना पड़ा। तापमान भी उच्च स्तर पर बना हुआ है।विज्ञानियों का अनुमान है कि 17 जून से गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है, जबकि 16 जून को भी हल्की बदली छाएगी। इससे पहले मंगलवार से लेकर अब तक का तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।बुधवार को तापमान में तो एक डिग्री की कमी आई, लेकिन हवा की गति लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई।दिन में लोगों ने बच्चों को घरों में रखा और आवश्यक होने पर ही लोग घर से बाहर निकले। जो लोग निकले भी वह धूल और धूप से बचाव के लिए चेहरे पर गमछा बांधे दिखे।नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. सीताराम मिश्र ने बताया कि चक्रवाती तूफान बिपर्जय ने अत्यंत खतरनाक रूप धारण कर लिया है।इसी कारण यहां भी हवा की गति काफी तेज है। शनिवार को भी हवा की गति तेज रहेगी। उन्होंने बताया कि शनिवार व रविवार को तापमान में कमी आएगी और हल्की वर्षा भी होने की संभावना है। बुधवार को अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से चार डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ढाई कम 29 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम आर्द्रता 77 व न्यूनतम 35 प्रतिशत रही।

### अयोध्या में शराब और मांस की बिक्री पर लग सकता है प्रतिबंध, सीएम योगी ने दिए संकेत

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम नगरी अयोध्या में मांस–मदिरा पर बैन लगाने के संकेत दिए हैं। सीएम ने सीधे तौर पर यहां ऐसे किसी प्रतिबंध की बात नहीं की है, लेकिन बुधवार को अपने अयोध्या दौरे पर समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि अयोध्या धर्मनगरी है। ऐसे में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए यहां मांस–मदिरा के उपयोग का निषेध होना चाहिए।बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो रहा है और इस शहर को भारत की धार्मिक राजधानी बनाने को लेकर योगी आदित्यनाथ हर कोशिश कर रहे हैं।अयोध्या को नगरीय विकास का मॉडल बनाने का इरादा जाहिर करते हुए सीएम योगी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप इस धर्मनगरी का समग्र विकास सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। देश–दुनिया के लोग श्दिव्य, भव्य, नव्य अयोध्याश् के दर्शन को आतुर हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि अयोध्या आने वाला हर श्रद्धालु और पर्यटक यहां से लौटते हुए एक विशिष्ट शांति, संतोष और आनंद का भाव लेकर जाएं। अपने अयोध्या दौरे पर आए योगी ने पुलिस से आम नागरिकों और पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं के साथ संवेदनशील व्यवहार करने पर जोर दिया। साथ ही कानून–व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश भी दिए। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी पहुंच कर दर्शन–पूजन किया और फिर निर्माणाधीन श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

### अनियंत्रित टैंकर से कुचल कर 6 वर्षीय भतीजे की मौत,चालक गिरफ्तार

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

बाइक सवार चाचा–भतीजे को अनियंत्रित टैंकर ने टक्कर मार दी। हादसे में भतीजे की मौत हो गई, जबकि चाचा घायल हैं। घटना मयाबाजार तिराहे की है। लोगों ने टैंकर ड्राइवर को दौड़ा कर पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। जरही निवासी सूरज यादव अपने छह वर्षीय भतीजे जलज की बाइक से मयाबाजार जा रहे थे। उन्हें मयाबाजार में कोचिंग संचालित करने वाले अपने भाई पंकज को टिफिन देना था।बाजार में तिराहे पर अयोध्या से अंबेडकर नगर की ओर जा रहे अनियंत्रित टैंकर ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक असंतुलित होकर गिर गई और उस पर सवार छह वर्षीय बालक टैंकर के नीचे आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बाइक चला रहे सूरज को मामूली चोटें आई हैं।हादसे के बाद बाजार में काफी भीड़ जमा हो गई। विरोध प्रदर्शन की आशंका में पुलिस ने घटनास्थल की ओर वाहनों का संचालन कुछ देर के लिए रोक दिया।सभी वाहनों को टंडौली से नेव कबीरपुर के रास्ते गंतव्य की ओर भेजा गया।पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अतुल सोनकर, सीओ सदर संदीप सिंह ने घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। इस घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अनुपम मिश्र ने बताया कि दुर्घटना करने वाले चालक को हिरासत में ले लिया गया है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

## ट्रांसफार्मर के विस्फोट से तीन युवक गंभीर रूप से झुलसे

स्थानीय पार्षद ने झुलसे युवकों को कराया जिला चिकित्सालय में भर्ती

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र के डीएम आवास के समीप दोपहर दो बजे उस समय अफरा तफरी का माहौल रहा जब वहां पर स्थित एक ट्रांसफार्मर के विस्फोट हो जाने के चलते वहां पर स्थित ठेलो व कई दुकानों में आग लग गई।वही इस ट्रांसफार्मर के खौलते तेल की चपेट में आकर तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें स्थानीय पार्षद संतोष सिंह ने जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।आग की चपेट में आने से वहां पर खड़ा ठेला जल गया, इसके अलावा राकेश चौरसिया की पान की दुकान,राम प्रसाद के सिलाई की मशीन की दुकान के साथ साथ ठेले में आग लग गई।इस संबंध में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी प्रदीप पाण्डेय ने बताया कि बुधवार को कोतवाली नगर क्षेत्र में स्थित डीएम आवास के सामने स्थित चुंगी के पास लगा ट्रांसफार्मर में तेज आवाज के साथ विस्फोट हो गया।उन्होंने बताया कि यह विस्फोट अधिक लोड पड़ने के चलते हुआ।उन्होंने बताया कि

भीषण गर्मी में बढ़ते लोड के चलते उस ट्रांसफार्मर में आग लग गई।ट्रांसफार्मर के फैले तेल से बगल में खड़े ठेले समेत अन्य कई दुकानों में आग लग गई।स्थानीय लोगों के मुताबिक ठेला लगाने वाले दुकानदार जगदंबा प्रसाद मौर्या पुत्र स्वर्गीय सियाराम निवासी करम अली का पुरवा थाना कैंट,राजकुमार पुत्र स्वर्गीय राम सिंगार करम अली का पुरवा थाना कैंट, आत्मा राम पुत्र बुद्धू निवासी पूरे बलजोर का पुरवा थाना पूराकलंदर के ऊपर ट्रांसफार्मर का खौलता हुआ तेल पड़ने से गंभीर रुप से झुलस गए।जिनका इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड दस्ता मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

# पानी और बिजली के लिए तरसी 50 हजार आबादी

संवाददाता

लखनऊ। भीषण गर्मी से एक ओर सभी परेशान हैं, वहीं बिजली की लगातार कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। शहर से लेकर गांव तक हो रही अघोषित बिजली कटौती ने समस्या बढ़ा दी है। न तो लोगों के मोबाइल व इन्वर्टर चार्ज हो पा रहे हैं न बिजली पर आश्रित दुकानदारों का कारोबार चल पा रहा है। ब्लॉक समेत जीजीआईसी फीडर की आपूर्ति 24 घंटे से बाधित होने से 50 हजार आबादी समेत ब्लॉक कर्मियों को पानी के लिए तरसना पड़ा। हालांकि बृहस्पतिवार की देर शाम कुछ इलाकों में फीडर से आपूर्ति बहाल हुई। 43 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी के बीच बढ़ी बिजली की डिमांड ने जिले में आपूर्ति व्यवस्था के रोस्टर को बिगाड़ दिया है। जिला मुख्यालय स्थित जीजीआईसी फीडर पर बुधवार से प्रभावित आपूर्ति दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी बहाल नहीं हो सकी। गौरीगंज ब्लॉक में निवास करने वाले अफसरों व कर्मियों को बूंद–बूंद पानी के तरसना पड़ रहा है। बिजली न आने से कर्मियों के कंप्यूटर समेत अन्य उपकरण बंद रहे। इससे जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण लेने आए लोगों को बैरंग लौटना पड़ा। गौरीगंज मुख्यालय में रहने वाले परिवारों को मुश्किलों से दो चार होना पड़ा।दूसरे फीडर तहसील रोड की आपूर्ति भी बृहस्पतिवार को पूरी तरह प्रभावित रहीं। बिजली न मिलने से लोग घरों से बाहर पेड़ की छांव में बिजली आने का इंतजार करते रहे। बिजली पर आधारित दुकानदारों की बोहनी तक नहीं हो रही है। इसके अतिरिक्त कलेक्ट्रेट, विकास भवन, एआरटीओ, बीएसए कार्यालय, डीआईओएस, सिंचाई विभाग, कृषि विभाग सभी जगह आपूर्ति प्रभावित होने से जेनरेटर के सहारे किसी तक कर्मचारी काम करते दिखे।ग्रामीण इलाकों के उपकेंद्रों पर भी विद्युत आपूर्ति का हाल बेहाल है। किसानों की खेती–किसानी पर असर पड़ रहा है। ट्यूबवेल बंद पड़े हैं। इससे नर्सरी की सिंचाई नहीं हो पा रही है।जनसेवा केंद्र संचालक प्रमोद पांडेय ने बताया कि 20 किलोमीटर दूर से आकर दुकान खोला लेकिन, बिजली न होने से गर्मी में परेशान होना पड़ा तो ग्राहक को भी वापस करना पड़ा।बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पावर कारपोरेशन सिर्फ बिल वसूली करने में जुटा है। निर्बाध आपूर्ति को लेकर उसका कोई ध्यान नहीं है।रामदेव जायसवाल ने बताया कि गर्मी में कम से कम बिजली की आपूर्ति को बेहतर बनाई जानी चाहिए। लेकिन इन दिनों बिजली कटौती से जीवन मुश्किल हो गया है।सतीश चंद्र मिश्र का कहना है कि बिजली बाधित होने से लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। इसके बाद भी जिम्मेदार बेखबर बने हुए हैं। अघोषित बिजली कटौती से आम नागरिक परेशान हो, लेकिन कारपोरेशन कर्मियों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। अफसर फोन तक नहीं उठाते हैं। एक्सईएन गौरीगंज के मोबाइल नंबर 94150901584, एसडीओ के मोबाइल नंबर 94150901590, जेई के मोबाइल नंबर 94150901586 तथा पावर हाउस के नंबर 8004912840 पर सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक कॉल किया गया लेकिन, हर बार सिर्फ सेवा मौजूद नहीं है की बात सुनाई पड़ी। बृहस्पतिवार को बिजली डिमांड व कटौती के समय जानकारी के लिए अधीक्षण अभियंता रामप्रीत के मोबाइल नंबर 8004915109 सुबह 9:56 से 10:00 बजे तक कॉल की गई तो फोन नहीं उठा। दोपहर 1:40 बजे फोन रिसीव किया तो कहा कि वह कोई भी जानकारी देने की स्थिति में नहीं है। दस मिनट बाद कॉल करिए। दोबारा कॉल करने पर फोन रिसीव नहीं हुआ।

## धन के अभाव में आवास अधूरा, सपना कैसे हो पूरा

संवाददाता

लखनऊ। पक्के मकान की आस लगाए गरीबों के आवास धनाभाव के चलते पूरे नहीं हो सके हैं। इस बार उन्हें बारिश में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना में बजट न होने से 14 हजार से अधिक आवास अधूरे पड़े हैं, जबकि कुल लक्ष्य 21 हजार 171 की तुलना में छह हजार 884 आवास ही पूरे हो सके हैं। गरीबों को छप्पर व कच्चे आवास से निजात दिलाने के लिए जिले को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 21171 आवास का लक्ष्य दिया गया है। चयनित लाभार्थियों को 40 हजार रुपये की धनराशि जारी की गई है। बता दें कि आवास निर्माण के लिए प्रत्येक लाभार्थी को एक लाख 20 हजार रुपये दिये जाते हैं। चयनित लाभार्थियों को पहली दूसरी व तीसरी किस्त की धनराशि दी गई है। इसके बाद आवास योजना में बजट की कमी के चलते किस्त की धनराशि जारी न होने से 14 हजार 187 आवास अधूरे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में शासन स्तर पर बजट नहीं है।

## घायल सारस का इलाज कर वन विभाग को सौंपा

लखनऊ। सहजीपुर गांव में पांच दिन पहले घायल अवस्था में मिले सारस का गांव के एक युवक ने इलाज किया। पांच दिनों में सारस उसका मित्र बन गया। बृहस्पतिवार को वन विभाग की टीम ने पहुंचकर सारस का चिकित्सीय परीक्षण किया। इसके बाद उसे अपने साथ ले गए।सहजीपुर स्थित बाग में बीते दस जून को कुत्तों के झुंड ने सारस पर हमला कर दिया था। गांव निवासी चंदन पांडेय कुत्तों को भगाकर घायल सारस को घर ले आए। उसका इलाज कराया। इलाज के दौरान सारस और चंदन की दोस्ती इतनी बढ़ गई कि सारस घर में एक परिवार की सदस्य की तरह रहने लगा। चंदन ने बताया कि सारस ने खाने में उबला आलू और दूध चावल खाता था।कानूनी दांव पेंच से बचने के लिए चंदन पांडेय ने 13 जून को सारस मिलने की सूचना वन विभाग के रेंजर मो. अकबर खान को दी। बृहस्पतिवार को वन विभाग की टीम ने पहुंचकर सारस को अपने कब्जे में लेकर पशु चिकित्सालय में मेडिकल परीक्षण कराया। इसके बाद टीम सारस को वन बिहार समस्तीपुर रायबरेली लेकर वाहन से लेकर चली गई।सहजीपुर गांव निवासी चंदन पांडेय ने सारस के मिलने की सूचना दी थी। सारस का चिकित्सीय परीक्षण कराकर वन बिहार समस्तीपुर रायबरेली भिजवाया गया है।

## उलमा ने कहा कि दारुल उलूम देवबंद के खिलाफ फैला रहे हैं प्रोपोगेंड

संवाददाता

लखनऊ। उलमा ने ये भी माना कि हर संस्थान के अपने उसूल और व्यवस्था होती है। कोई भी संस्थान अपने छात्र को किसी दूसरी जगह से शिक्षा लेने की इजाजत नही देता है। उनका ये भी कहना है कि साजिश के तहत दारुल उलूम देवबंद के आदेश को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।इस्लामी तालीम के लिये दुनिया भर में प्रसिद्ध दारुल उलूम देवबंद में शिक्षा ग्रहण करने के दौरान अंग्रेजी व अन्य भाषा की शिक्षा लेने पर निष्कासित करने की खबर पर उलमा ने साफतौर पर कहा कि अंग्रेजी या किसी भी भाषा की शिक्षा हासिल करना इस्लाम के खिलाफ नहीं है।उलमा ने ये भी माना कि हर संस्थान के अपने उसूल और व्यवस्था होती है। कोई भी संस्थान अपने छात्र को किसी दूसरी जगह से शिक्षा लेने की इजाजत नहीं देता है। उनका ये भी कहना है कि साजिश के तहत दारुल उलूम देवबंद के आदेश को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। देश भर के सभी बड़े मदरसों में अंग्रेजी की शिक्षा पहले से ही दी जा रही है। यहां तक कि दारुल देवबंद में भी अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। कुरान मजीद का अनुवाद भी उर्दू, हिंदी के अलावा अंग्रेजी में भी मौजूद है। ऐसे में अंग्रेजी की शिक्षा इस्लाम के खिलाफ नहीं है।यूके, अमेरिका सहित तमाम देशों में मौजूद मदरसों में दी जाने वाली शिक्षा का माध्यम ही अंग्रेजी रहता है। दारुल उलूम देवबंद ने अपने छात्रों के लिये जो नोटिस जारी किया है वो किस परिप्रेक्ष्य में है।

# क्रिएटर्स हब के संचालक सहित चार पर करोड़ों की जमीन हड़पने का केस

संवाददाता

लखनऊ। पीड़ित कारोबारी गुंजीत कालरा ने डीजीपी से गुहार लगाई थी। एडीसीपी पूर्वी ने मामले की जांच की। शुरुआती जांच में आरोप सही पाये जाने के बाद केस दर्ज किया गया है।विभूतिखंड इलाके के रोहतास प्रेसीडेंसियल में जाली दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की जमीन हड़पने का मामला सामने आया है। जमीन हड़पने वालों में क्रिएटर्स हब के संचालक स्वदेश कुमार मल्ल व उनके तीन अन्य साथी हैं। पीड़ित कारोबारी गुंजीत कालरा ने डीजीपी से गुहार लगाई थी। एडीसीपी पूर्वी ने मामले की जांच की। शुरुआती जांच में आरोप सही पाये जाने के बाद केस दर्ज किया गया है।बाजरखाला, ऐशबाग रोड पर कारोबारी गुंजीत कालरा का मकान है। गुंजीत के मुताबिक, 2017 में रोहतास प्रेसिडेंसियल में 12,500 वर्ग फीट का भूखंड (टीजीसी 4ए 4) बुक कराया था। सालभर बाद गुंजीत ने गोरखपुर के क्रियेटर्स हब निदेशक वैभव प्रताप सिंह को जमीन 1.90 लाख रुपये प्रति माह पर पांच साल के लिए किराये पर दी।अनुबंध में तय हुआ था कि बिना पूर्व अनुमति के दूसरे व्यक्ति को कंपनी में निदेशक नहीं बनाया जाएगा। पर, वैभव ने विकाससखंड के स्वदेश को कंपनी में निदेशक बना दिया और जमीन का इस्तेमाल मनमाने तरीके से करने लगे।गुंजीत के मुताबिक, पड़ताल में सामने आया कि रोहतास प्रोजेक्ट ने जमीन बेचने से पहले दीवान हाउसिंग फाइनेंस में गिरवी रखी थी। कुछ समय बाद दीवान हाउसिंग दूसरी कंपनी पीरामल कैपिटल लि. में समाहित हो गई। गुंजीत के मुताबिक दिसंबर, 2021 में नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल ने संपत्ति को बंधक मुक्त कर दिया।इस पर संपत्ति को बेचने का अधिकार गुंजीत के पास आ गया। लेकिन हाउसिंग फर्म ने 27 जनवरी 2023 को संपत्ति को नीलाम कर दिया। इस दौरान स्वदेश ने फर्जी कागज तैयार कर मां वैष्णो इंफ्रा के नाम जमीन ले ली। इस फर्म में तन्मय मल्ल और बिंदू मल्ल को भी साझेदार दिखाया गया है।

## पालतू जानवरों के साथ ट्रेन में कर सकेंगे सफर, बुक होगा टिकट

संवाददाता

लखनऊ। रेलवे बोर्ड के पैसेंजर मार्केटिंग ने आईआरसीटीसी को सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम के साथ समन्वय स्थापित कर इस मार्केटिंग ने आईआरसीटीसी को सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम के साथ समन्वय स्थापित कर इस सुविधा को लागू करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल यह सुविधा फर्स्ट

सुविधा को लागू करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल यह सुविधा फर्स्ट एसी में कूपे बुक कराने वाले यात्रियों को ही मिलेगी।पैसेंजर अपने पालतू जानवरों के साथ ट्रेन में सफर कर सकेंगे। इसके लिए जानवरों का टिकट बुक कराना होगा। जल्द ही पूर्वोत्तर रेलवे की ट्रेनों में यह सुविधा शुरू की जाएगी। रेलवे बोर्ड के पैसेंजर एसी में कूपे बुक कराने वाले यात्रियों को ही मिलेगी। ऑनलाइन टिकट कराने के लिए घर बैठे ही अपने पालतू पशुओं के लिए भी रिजर्वेशन कराया जा सकेगा। नई व्यवस्था के तहत पैसेंजर जन का टिकट कंफर्म होने पर ही पालतू जानवर की बुकिंग हो पाएगी। इसके लिए पैसेंजर को आईआरसीटीसी के वेबसाइट पर अपना पीएनआर और मोबाइल नंबर भरना होगा। ओटीपी दर्ज करने पर टिकट बुक जाएगा। पालतू पशुओं के टिकट की दर पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम(पीएमएस) से की जाएगी। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि पालतू जानवरों की बुकिंग के लिए अब अलग से दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। ई–टिकट के साथ ही सुविधा भी मिलेगी। हालांकि आईआरसीटीसी ही इस व्यवस्था को शुरू करेगा।

### अदालतों में 968 मामले और 46 दागी अफसर-कर्मचारी बने मुसीबत, यूपीसीडा ने शासन को भेजी रिपोर्ट

संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट में 843 व लखनऊ बेंच में 93 और सुप्रीम कोर्ट में 32 मामले लंबित हैं। वहीं, 46 दागी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी मामले चल रहे हैं। इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी गई है।उद्योगों के विकास के लिए गठित उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) एक तरफ नए औद्योगिक क्षेत्र बसा रहा है।

### छठी बार बढ़ी पॉलीटेक्निक प्रवेश आवेदन तिथि, परीक्षा एजेंसी का चयन न होने से बढ़ रही तिथि

लखनऊ। प्रदेश में पॉलीटेक्निक के नए सत्र 2023–24 के लिए ऑनलाइन प्रवेश आवेदन प्रक्रिया चल रही है। जिसकी आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून तक बढ़ाई गई थी। जानकारी के अनुसार अभी तक विभाग की ओर से ही प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी है।प्रदेश में सरकारी व निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि छठी बार बढ़ा दी गई है। अब प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 20 जून तक संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा की तारीख अभी भी फाइनल नहीं हो सकी है।प्रदेश में पॉलीटेक्निक के नए सत्र 2023–24 के लिए ऑनलाइन प्रवेश आवेदन प्रक्रिया चल रही है। जिसकी आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून तक बढ़ाई गई थी। जानकारी के अनुसार अभी तक विभाग की ओर से ही प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी है। यही वजह है कि छठी बार प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है।

## पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर बरकरार, पश्चिम में बिजली-बारिश के आसार

संवाददाता

लखनऊ। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में शुक्रवार को भी लू की चेतावनी जारी की गई है। 17 जून से धूल भरी हवा और बादल–बिजली चमकने का असर प्रदेश के पूर्वी व पश्चिमी इलाकों में रहेगा। 18 को हवा की रफ्तार और तेज होने के आसार हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।पूर्वी उत्तर प्रदेश में 17 जून तक तपते–दिन और रात लोगों को बेहाल करते रहेंगे। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश–बिजली के आसार बन रहे हैं। वहीं बिपरजॉय का प्रभाव यूपी में भी जल्द देखने को मिलेगा। शनिवार से धूल भरी आंधी, बादल, बिजली व बारिश के आसार हैं। पश्चिम यूपी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 19 जून तक ऐसे ही हालात बने रह सकते हैं। वहीं, आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पूर्वी यूपी के कुछ इलाकों में शुक्रवार को भी लू चलेगी, जो आगे भी जारी रहेगा। बृहस्पतिवार को झांसी–प्रयागराज 43 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ सबसे गर्म रहे।आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में शुक्रवार को भी लू की चेतावनी जारी की गई है। 17 जून से धूल भरी हवाएं और बादल–बिजली का असर प्रदेश के पूर्वी व पश्चिमी इलाकों में रहेगा। 18 को हवा की रफ्तार और तेज हो के आसार हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 19 जून तक भी कमोबेश ऐसे ही हालात बने रहने के आसार हैं। फुरसतगंज में रात का पारा 32.4डिग्री दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, ये अब तक के इतिहास में फुरसतगंजरायबरेली की सबसे गर्म रात है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।